an>

Title: Need to ensure student friendly academic environment at NIT, Srinagar, Jammu & Kashmir.

श्री हरीश मीना (दौसा) ः मैं केंद्र सरकार का ध्यान हाल ही में एनआईटी श्रीनगर में गैर कश्मीरी छात्रांे के साथ हुई मारपीट की ओर आकर्षित कराना चाहूँगा।

टी-20 वर्ल्डकप में भारत-वेस्टइंडीज मुकाबले के बाद से एन.आई.टी. श्रीनगर में उत्पन्न हुए हालात से सभी गैर-कश्मीरी छात्र सदमे में हैं। इस मामले में मैंने माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी को पत्र भी लिखा है। यहां पढ़ रहे अधिकतर छात्र मेरे निर्वाचन क्षेत्र दौसा व राजस्थान के अन्य शहर के निवासी हैं। बिगड़े हुए हालात को देखते हुए ज्यादातर छात्र अपनी परीक्षाएं छोड़ अपने घर पहँच रहे हैं।

घर लौटे छात्र अब दोबारा एन.आई.टी. जाने से कतरा रहे हैं। छात्रों व उनके अभिभावकों के दिमाग में कई सवाल हैं। उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ भविष्य की चिंता सता रही है। छात्रों का कहना है कि यह पहली बार नहीं हुआ है, उन्हें अक्सर इन सब से गुजरना पड़ता है और कथित रूप से शिक्षकों और स्टाफ ने भी उन्हें अकेडमिक रिकॉर्ड खराब करने की धमकी दी है और उन्हें प्लेटसमेंट का भी डर सता रहा है।

छात्रों का भविष्य खतरे में है और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए छात्रों व उनके अभिभावक एन.आई.टी. को शिफ्ट करने या अन्य किसी एन.आई.टी. में दाखिले की मांग कर रहे हैं।

अतः माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी से मेरी तीन मुख्य मांगें हैं-

1. सभी छात्रों को एन.आई.टी. परिसर और श्रीनगर शहर में सुरक्षा का भरोसा दिया जाए।

2. किसी भी छात्र का बदले की भावना के तहत अकेडमिक रिकॉर्ड खराब न हो, ऐसा सुनिश्चित किया जाए।

3. इस घटना पर दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए। साथ ही ऐसी घटना फिर न हो, इसका भरोसा भी दिया जाए।